प्रश्नपत्र षष्ठ : प्राकृत–संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

100 अंक

इकाई एक – 20 अंक

प्राकृत व्याकरण :

हेम शब्दानुशासन के तृतीय पाद के सूत्र 1–42 सूत्र एवं 58–182 सूत्रों की सोदाहरण हिन्दी व्याख्या। इसके लिए –

(अ) प्राकृत व्याकरण के शब्दरूप, कारक एवं सर्वनाम से सम्बन्धित हेमशब्दानुशासन के निर्धारित सूत्रों में से चार सूत्रों को देकर दो की व्याख्या पूछना

(ब) प्राकृतव्याकरण के क्रिया एवं कृदंत से संबंधित हेमशब्दानुशासन के निर्धारित सूत्रों में से चार सूत्रों देकर दो की व्याख्या पूछना

इकाई दो – 20 अंक

सोदाहरण नियम एवं ग्रन्थ परिचय

(क) प्राकृत व्याकरण के अव्यय, सन्धि, समास, विशेषण एवं वाक्य प्रयोगों से सम्बन्धित सोदाहरण नियम लिखना – (10 अंक)

(ख) प्राकृत–व्याकरण के प्रमुख ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का सामान्य परिचय – 10 अंक

इकाई तीन – 20 अंक

संस्कृत व्याकरण – प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी (कपिलदेव द्विवेदी) (पाठ 1–20)

संस्कृत के संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, कृदन्त एवं संधि के प्रमुख नियमों की जानकारी अपेक्षित है। इसके लिए सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत अनुवाद, सामान्य शब्द रूप एवं क्रिया रूप पूछे जा सकते हैं ।

इकाई चार – 20 अंक

भाषा–विज्ञान एवं पालि–प्राकृत

– भारतीय आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक भाषा, पालि, लौकिक संस्कृत, अपभ्रंश एवं आधुनिक भाषाओं के साथ प्राकृत का सम्बन्ध)

इकाई पॉच – 20 अंक

ध्वनि परिवर्तन के प्रमुख नियम एवं प्राकृत
(लोप, आगम, विपर्यय, ह्रस्वमात्रा नियम, समीकरण, विषमीकरण, स्वरभक्ति, संधि आदि के सोदाहरण नियम) इसके लिए प्राकृत भाषा एवं साहित्य के आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
(अध्याय प्रथम, पृष्ठ 1–23 एवं अध्याय पंचम, पृष्ठ 113–153) का सम्बन्धित अंश का अध्ययन अपेक्षित।

सहायक पुस्तकें :

1– हेमशब्दानुशासन–(प्यारचन्द महाराज) की हिन्दी व्याख्या, ब्यावर

2– हेम–प्राकृत व्याकरण–शिक्षक–डॉ उदयचन्द जैन, जयपुर, 1983

3– हेमचन्द का शब्दानुशासन–एक अध्ययन – डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

4– प्राकृतमार्गोपदेशिका– पं. बेचरदास दोशी